बुधवार
26 जुलाई 2023

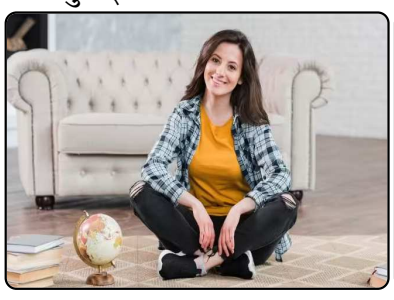

पृष्ठ 4

आपको सेहतमंद बना देगी जमीन पर बैठने की आदत

पृष्ठ 5

पंकज त्रिपाठी ने पूरी की अपनी अपकमिंग फिल्म मैं अटल हूं की शूटिंग

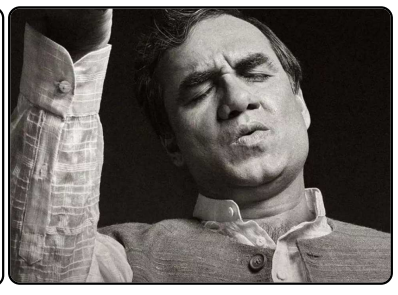

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 170
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जैसे सूर्योदय के होते ही अंधकार दूर हो जाता है वैसे ही मन की प्रसन्नता से सारी बाधाएँ शांत हो जाती हैं।

– अमृतलाल नागर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सरकार पूर्व सैनिकों व शहीदों के आश्रितों के कल्याण के प्रति वचनबद्धः सीएम धामी

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) पर गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में शहीद स्मारक पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कारगिल शहीदों के परिवारजनों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि देहरादून एवं पिथौरागढ़ में एक-एक अतिरिक्त जिला सैनिक कल्याण कार्यालय खोला जायेगा। प्रदेश में सैनिक द्वार एवं स्मारकों की देखरेख सैनिक कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन के द्वारा की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल लड़ाई में हमारे जवानों ने अदम्य साहस, वीरता एवं पराक्रम का परिचय देते हुए माँ भारती की रक्षा की। भारतीय सैनिकों ने कारगिल युद्ध में जिस प्रकार की विपरीत परिस्थितियों में वीरता

❑मुख्यमंत्री ने कारगिल शहीदों को दी श्रद्धांजलि
❑शहीदों के परिवारजनों को किया सम्मानित

का परिचय देते हुए घुसपैठियों को सीमा पार खदेड़ा, उससे पूरे विश्व ने भारतीय सेना का लोहा माना। कारगिल युद्ध में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों के बलिदान को राष्ट्र हमेशा याद रखेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों के आश्रितों के कल्याण के प्रति वचनबद्ध है। शहीद सैनिकों के परिवार के एक सदस्य को उसकी योग्यता अनुसार सरकार द्वारा सेवायोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून के गुनियालगाँव में शहीदों की स्मृति में अत्याधुनिक एवं विभिन्न सुविधाओं से युक्त 'शौर्य स्थल (सैन्य धाम) का निर्माण किया जा रहा है। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा युद्ध विधवा एवं युद्ध अपंग सैनिकों को दो लाख रुपये की आवासीय सहायता प्रदान की जा रही है।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि भारतीय सेना ने सदैव राष्ट्र की अखंडता एवं सम्प्रभुता बनाए रखने के लिये अनुकरणीय साहस और देशभक्ति का प्रदर्शन किया है। हमारा प्रथम कर्तव्य है कि देश की सीमाओं की रक्षा तथा देश की संप्रभुता एवं अखंडता बनाये रखने के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिक सपूतों, पूर्व सैनिकों तथा उनके परिजनों के मान-सम्मान एवं कल्याणार्थ सदैव तत्पर रहें। कारगिल युद्ध में देवभूमि उत्तराखण्ड के 75 जांबाज

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

कारगिल विजय दिवस पर राज्यपाल ने दी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

हमारे संवाददाता

देहरादून। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने देहरादून के चीड़बाग स्थित शौर्य स्थल पर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। कारगिल विजय दिवस पर आज उत्तराखंड के बलिदानियों को राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) द्वारा राजधानी देहरादून के चीड़बाग स्थित शौर्य स्थल पर श्रद्धांजलि दी गयी। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत की सेना ने अपने शौर्य और पराक्रम से हमेशा देश का गौरव बढ़ाया है। इस पर हम सभी को गर्व है। राष्ट्र की सीमाएं इन वीर जवानों के त्याग एवं बलिदान के कारण ही सुरक्षित हैं।

उत्तराखंड को यूं ही वीरों की भूमि नहीं कहा जाता। यहां तकरीबन हर एक घर से एक जवान भारतीय सेना का हिस्सा है। जिस कारण इसे वीरों की भूमि कहा जाता है। देश की रक्षा के लिए उत्तराखंड के जांबाजों ने अपना सब कुछ न्यौछावर किया है। साल 1999 का कारगिल युद्ध कोई नहीं भूल पाया है। कारगिल सुनते ही लोगों को भारतीय सेना के जवानों का अदम्य शौर्य और साहस याद आता है और हर किसी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। कारगिल युद्ध में उत्तराखंड के 75 जवान देश रक्षा करते हुए शहीद हो गए थे। जिसमें से 37 जवानों को युद्ध के बाद उनके अदम्य शौर्य और साहस के लिए महावीर चक्र, वीर चक्र के लेकर मैन इन डिस्पैच पुरस्कार से नवाजा गया।

दारोगा ने सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

लखनऊ । लखनऊ पुलिस लाइन में तैनात दारोगा ज्ञान सिंह (56) ने सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर बुध वार को आत्महत्या कर ली है। उन्होंने कनपटी पर सटाकर खुद को गोली मारी है।

गोली की आवाज सुनने के बाद साथी दौड़ कर पहुंचे तो कमरे में खून से लथपथ शव मिला। बता दें कि ज्ञान सिंह मूल रूप से कन्नौज तिर्वा के सिल्सरा गांव के रहने वाले थे। ज्ञान सिंह लखनऊ की न्यू हैदराबाद कालोनी में रहते थे।

मिली जानकारी के अनुसार दरोगा ज्ञान सिंह ने सुसाइड से पहले अपने साले को फोन किया और अंतिम संस्कार करने की तैयारी करने को कहा। यह घटना महानगर थाना क्षेत्र के न्यू हैदराबाद की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है।

'जरूरत पड़ने पर नियंत्रण रेखा भी पार करेगी भारतीय सेना'

जम्मू। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर पडोसी देश को सख्त संदेश देते हुए कहा कि यदि भारत की ओर नजर उठा कर देखा गया तो सेना नियंत्रण रेखा को पार कर दुश्मन को नेस्तनाबूद कर देगी। रक्षा मंत्री ने बुधवार को विजय दिवस के मौके पर यहां कारगिल के द्रास में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सेना 1999 में ही विजय के बाद नियंत्रण रेखा को पार कर सकती थी, लेकिन भारत की शांतिप्रिय देश की विचारधारा, भारतीय मूल्यों में विश्वास और अंतरराष्ट्रीय नियमों के प्रति वचनबद्धता के कारण उस समय यह कदम नहीं उठाया गया।

उन्होंने कहा, उस समय अगर हमने एलओसी पार नहीं किया, तो इसका मतलब यह नहीं कि हम एलओसी पार

❑कारगिल विजय दिवस पर राजनाथ सिंह ने वीर योद्धाओं को किया नमन

नहीं कर सकते थे। हम एलओसी पार कर सकते थे, हम एलओसी पार कर सकते हैं, और जरूरत पड़ तो भविष्य में एलओसी पार करेंगे। मैं इसे फिर से दोहराना चाहूँगा, कि हम एलओसी पार कर सकते थे, हम एलओसी पार कर सकते हैं, और जरूरत पड़ तो भविष्य में एलओसी पार करेंगे, इसका मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूँ।

रक्षा मंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि राष्ट्र का मान-सम्मान और इसकी प्रतिष्ठा सरकार के लिए किसी भी चीज से ऊपर है, और इसके लिए वह किसी भी हद तक जा सकती है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में कुछ देशों में युद्ध के अत्यधिक लंबा चलने का हवाला देते हुए उन्होंने देशवासियों से सेनाओं के सहयोग के लिए हर समय तत्पर रहने को कहा उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हर देशवासी को सैनिक की भूमिका निभाने के लिए तैयार रहना होगा। कार्यक्रम में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष तथा तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने भी हिस्सा लिया। वर्ष 1999 में कारगिल की चोटियों से पाकिस्तानी सेना तथा घुसपैठियों को खदेड़ कर विजय पताका फहराए जाने के उपलक्ष में हर वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

दून वैली मेल

संपादकीय

कड़े मुकाबले को तैयार होता इंडिया

भाषा शैली और भाव के दांव से अपने विरोधियों को चारों खाने चित करना है तो इस कला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई भी मुकाबला नहीं कर सकता है उनकी इस अद्भुत कला ने ही उन्हें ब्रांड मोदी बनाया है। जिसका मुकाबला करने की कोई कुव्वत किसी में भी नजर नहीं आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रतीक वादी राजनीति के ऐसे पुरोधा बन चुके हैं जिनकी काट करने के लिए अब देश का पूरा विपक्ष एकजुट होने का प्रयास कर रहा है। यह पहला मर्तबा है जब विपक्षी एकता में जुटे रणनीतिकार (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव एलाइंस) इंडिया जैसे प्रतीकात्मक शब्द की खोज कर पाए हैं जिसने अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सलाहकारों को इसकी काट ढूंढने के काम में लगा दिया है। आने वाले दिनों में अब कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी व पश्चिमी बंगाल से लेकर कर्नाटक तक जीतेगा इंडिया की गूंज सुनाई देने वाली है। विपक्षी एलाइंस के इस इंडिया नाम को लेकर भाजपा में इस कदर खलबली मची हुई है कि उनके अनुषांगिक दल और समर्थक इस पर अदालतों में आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी यह कह रहे हैं कि विपक्षी दल लोगों को इंडियन और इंडिया जैसे शब्दों से नहीं भटका सकता है। वह ईस्ट इंडिया और इंडियन मुजाहिदीन जैसे शब्दों का उदाहरण पेश कर अब यह कहने पर विवश है कि केवल देश का नाम इस्तेमाल करने से कुछ नहीं होने वाला है दिशाहीन विपक्ष भ्रष्ट नेताओं का समूह है। सवाल यह है कि प्रधानमंत्री मोदी को इस प्रतीकात्मक राजनीति के एक शब्द इंडिया ने इतना बेचैन क्यों कर दिया है कि वह इस शब्द की परिभाषा लोगों को समझाने पर विवश हो गए हैं। इंडिया में एक शब्द इंक्लूसिव भी है जिसे काउंटर करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा कोई शब्द नहीं तलाश कर पा रही हैं। भाजपा जिसकी समूची राजनीति बीते एक दशक में बहुसंख्यक वादी निरंकुशता पर आकर टिक चुकी है ऐसी स्थिति में एक समावेशी शब्द उन लोगों के लिए बहुत कुछ मायने रखता है जिन्हें हाशिए से बाहर धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। भले ही प्रधानमंत्री मोदी और टीम चौकीदार चोर है जैसे प्रतीकात्मक राजनीतिक शब्दों पर कांग्रेस को मात दे चुके हो और मोदी सरनेम को लेकर राहुल गांधी को राजनीति के हाशिए से बाहर धकेलने के करीब पहुंच चुकी हो लेकिन अब भाजपा नेताओं को भी इस बात पर विचार मंथन करना होगा कि देश की राजनीति केवल अच्छे दिन आने वाले हैं जैसे नारों और काला धन वापस लाने वाले हैं व हर गरीब को लखपति बनाने वाले हैं जैसे जुमलो से भी नहीं चलने वाली है। इंडिया जीतेगा या नहीं जीतेगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन एक बात सत्य है कि विपक्ष ने अपने नए एलाइंस को इंडिया का नाम देकर भाजपा और एनडीए में बेचैनी जरूर पैदा कर दी है। 2024 में होने वाला आम चुनाव 1989 में होने वाले आम चुनाव से कम दिलचस्प नहीं होगा। इंडिया की एक के बाद एक सफलता पूर्व संपन्न होने वाली बैठकों से भाजपा का यह मुगालता भी अब टूटता जा रहा है कि विपक्ष एकजुट हो ही नहीं सकता। एनडीए व इंडिया के बीच होने वाले इस रोमांचक मुकाबले और परिणाम का इंतजार कीजिए।

28 जुलाई को द हैरिटेज स्कूल में होगा इंटर स्कूल साइंस कम्पीटीशन 2023

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। द हैरिटेज स्कूल के तत्वावधान में इंटर स्कूल साइंस कम्पीटीशन 2023 का आयोजन 28 जुलाई को प्रातः नौ बजे से किया जायेगा और जिसमें राजधानी के मैजबान द हैरिटेज स्कूल सहित अन्य स्कूलों के प्रतिभागी हिस्सा लेंगें।

यहां द हैरिटेज स्कूल की प्रधानाचार्य डाक्टर अंजू त्यागी ने बताया कि इंटर स्कूल साइंस कम्पीटिशन 2023 का आयोजन 28 जुलाई को प्रातः नौ बजे से किया जायेगा और इस दौरान कम्पीटीशन में छह विषय निर्धारित किये गये है।

उन्होंने बताया कि निर्धारित विषयों में वायरलैस कम्युनिकेशन, वेव नेचर और पार्टीकल नेचर ऑफ लाईट, थर्मल पावर प्लांट, ड्रीप एरिगेशन, रिन्यूबल इनर्जी एस ए सोर्सेज ऑफ द प्लांट एवं थ्री डी मॉडल ऑफ ए प्रोकरयोटिक सैल शामिल है और इन विषयों पर भी प्रतिभागी अपने सारगर्भित भाषण प्रस्तुत कर सकते है।

उन्होंने बताया कि इस कम्पीटीशन में मैजबान द हैरिटेज स्कूल के अलावा दून प्रेसीडेंसी स्कूल प्रेमनगर, न्यू दून ब्लॉसम स्कूल, सेंट जूडस स्कूल, सेंट पैट्रिक्स एकेडी, द हिमालयन पब्लिक स्कूल, सेंट जोजफ्स एकेडमी, दून ब्लॉसम स्कूल, प्रेसीडेंसी इंटरनेशनल स्कूल भानियावाला, कृष्ट ज्योति स्कूल एवं ओएसिस स्कूल के प्रतिभागी शामिल होंगें।

अश्विना सु विचाकशद्वक्षं परशुमाँ इव।
अन्ति षद्भूतु वामवः॥

(ऋग्वेद ८-७३-१७)

हे राजा और उसके मंत्रीगण ! जिस प्रकार लकड़हारा वृक्ष को काटता है। उसी प्रकार सूर्य अंधकार के वृक्ष को काटता है। आप भी उसी प्रकार अज्ञानता के वृक्ष को काटे।

कारगिल विजय दिवस पर किया वृक्षारोपण

संवाददाता

हरिद्वार। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर अमर शहीद सैनिकों की याद में सामाजिक संगठनों ने वृक्षारोपण किया।

आज यहां कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष. संजय चोपड़ा के नेतृत्व में वीर अमर शहीद सैनिकों को सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ अपने श्रद्धा सुमन अर्पित कर वीर सैनिकों की याद में सेल्फी प्वाइंट पार्क में सार्वजनिक तौर पर फलदार वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण किए। इस अवसर पर संजय चोपड़ा ने कहा सन 1999 में हमारे देश के वीर जवानों ने एक लंबी जंग लड़ने के उपरांत कारगिल पर. हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया था। आज तमाम अमर वीर सैनिकों को शत-शत नमन करते हुए सभी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ सर्वजनिक तौर पर वृक्षारोपण कर तमाम अमर शहीद वीर सैनिकों को याद किया गया है। आज पर्यावरण का सही संतुलन ना होने के कारण उत्तराखंड राज्य के कोने

कोने में प्रकृतिक आपदा जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सार्वजनिक तौर तिरंगा झंडा फहराकर वृक्षारोपण करते सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों में विक्रम ऑटो रिक्शा यूनियन के प्रवक्ता आदेश पंडित, जीप यूनियन के अरुण कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता कुंवर सिंह मंडवाल, राधेश्याम रतूड़ी, लघु व्यापारी नेता राजेंद्र पाल, मोहनलाल, अर्जुन सिंह, कपिल नागी, जय सिंह बिष्ट, गौरव चौहान, ओमप्रकाश कालियान, अशोक शर्मा, नईम सलमानी, चंदन सिंह रावत, व्यापारी नेता राजेश खुराना आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अराजकता व अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं: ऐरी

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के केन्द्रीय अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी ने कहा कि किसी भी प्रकार की अराजकता और अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं होगा, साथ ही कोई भी सदस्य निष्काषित व्यक्तियों के साथ रहेगा अविलम्ब उनपर भी कार्यवाही की जायेगी।

आज यहां उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी ने प्रेस को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल एक हैं, कुछ बाहरी तत्वों के इशारे पर दल के कुछ लोगो ने अनुशासनहीनता और अराजकता फैलाई, उन सभी पर कार्यवाही करते हुए दल से छः साल के लिए निष्कासित किया गया हैं। निष्कासित लोगो के द्वारा दल के नाम प्रयोग करना तथा किसी भी प्रकार बैठक/सम्मलेन करना अवैध हैं। जो निष्काषित व्यक्ति इसमें संलिप्त पाया गया उनपर अपराधिक मामला दर्ज किया जायेगा। उन्होंने कहा हैं कि कार्यालय पर कब्जा करने वाले निष्कासित लोग व कोटद्वार में सम्मलेन करने वाले निष्काषित लोगो का कोई वजूद नहीं हैं, ये लोग बाहरी लोगो के इशारे पर उक्रांद को कमजोर करने की चेष्टा कर रही हैं इनके मंसूफे कभी कामयाब नहीं होंगे, दल का संगठन, उनकी सभी इकाईया मेरे नेतृत्व में संगठित हैं। दल किसी भी प्रकार की अराजकता और अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं होगा, साथ ही कोई भी सदस्य निष्काषित व्यक्तियों के साथ रहेगा अविलम्ब उनपर भी कार्यवाही की जायेगी।

प्रेस वार्ता में दल के संरक्षक दिवाकर भट्ट, त्रिवेंद्र सिंह पंवार, सुरेन्द्र कुकरेती, महेन्द्र सिंह रावत, ललित बिष्ट, सुनील ध्यानी, पंकज व्यास, बहादुर रावत, देवेश्वर भट्ट, विजय बौडाई, मोहन असवाल, अशोक नेगी, राजेंद्र बिष्ट, राजेंद्र प्रधान, बिजेंद्र रावत उपस्थित रहे। इस अवसर पर हरीश सनवाल ने शौर्य दिवस पर पार्टी की सदस्यता ली।

अग्रवाल ने की केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

देहरादून। प्रेमचंद अग्रवाल ने केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी से शिष्टाचार भेंट की।

आज यहां शहरी विकास मंत्री उत्तराखंड सरकार डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान स्वच्छता रैंकिंग में उत्तराखंड की स्थिति में लगातार सुधार आने पर केंद्रीय मंत्री ने डॉ अग्रवाल को बधाई दी। नई दिल्ली में हुई मुलाकात में डा. अग्रवाल ने राज्य में शहरी विकास के अंतर्गत चल रही योजनाओं की जानकारी दी साथ ही केंद्र सरकार के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड में चल रहे विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि पहली बार स्वच्छ भारत मिशन में उत्तराखंड में 6

पुरस्कार हासिल किए। उन्होंने बताया कि लगातार नगर निकायों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उन्होंने अवगत कराया कि राज्य में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। डॉ अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राज्य में जी-20 के अंतर्गत तीन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुए, जिसमें शहरी विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बताया कि जी-20 के तहत नगर का सुनियोजित विकास हुआ। जिसमें सड़क, फसाड़ योजना, नालियों की स्थिति, गंगा तट को भव्यतापूर्वक बनाने आदि कार्य किये गए। इस मौके पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी से शहरी विकास मंत्री उत्तराखंड सरकार डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने अन्य विषयों को लेकर भी विस्तार से वार्ता की।

आप ने की मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की मांग

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी ने मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने मीडिया प्रभारी रविन्द्र सिंह आनन्द के नेतृत्व में प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि बीते दो माह से भी अधिक समय से मणिपुर में लगातार खूनी संघर्ष चल रहा है तमाम असलाहे दंगाइयों के पास लगातार कैसे पहुंच रहे हैं। अत्याधुनिक हथियार तक दंगाइयों के पास हैं। मणिपुर सरकार व केन्द्र सरकार मणिपुर में शान्ति बनाने में पूर्णत: असफल हो रहे हैं। महिलाओं के साथ जो अमानवीय एवं शर्मनाक कृत्य हो रहे हैं उसने भारत को दुनिया के आगे शर्मसार कर दिया है फिर भी केन्द्र सरकार ने इस विषय में कोई उचित कदम नहीं उठाकर इस प्रकरण पर बहुत बडी लापरवाही की है जो शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुरक्षा देने में एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में मणिपुर सरकार पूरी तरह से विफल है निर्दोष लोग लगातार मौत के घाट उतारे जा रहे हैं। इंटरनोट सेवा महिनों से ठप्प पडी पडी है। उन्होंने राष्ट्रपति से मांग की है कि महिलाओ व मानवता की सुरक्षा के लिए एवं कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए मणिपुर सरकार को तत्काल बर्खास्त किया जाये। ज्ञापन देने वालों में कमलेश रमन, मौहम्मद नसीर खान, डा. आरपी रतूडी, अशोक, सेमवाल आर राना आदि लोग शामिल थे।

शराब पीलाने पर दो रेस्टोरेन्ट स्वामी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। रेस्टोरेन्ट में बिना लाइसेन्स के शराब पीलाने पर पुलिस ने दो रेस्टोरेन्ट स्वामियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस को सूचना मिल रही थी कि क्षेत्र में कुछ दुकानदार अपने यहां लोगों को बैठाकर शराब पीला रहे हैं। जिसके बाद पुलिस ने ऐसे रेस्टोरेन्ट स्वामियों पर शिकंजा कसने का मन बना लिया। पुलिस ने गत दिवस सहस्त्रधारा रोड पर एक रेस्टोरेन्ट में छापा मारा तो वहां पर कुछ लोगों को शराब पीते हुए देख लिया। पुलिस को देख शराब पीने वाले वहां से भाग गये। पुलिस ने रेस्टोरेन्ट स्वामी रतन सिंह कंडारी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं रायपुर थाना पुलिस ने हाथी खाना चौक पर भी एक रेस्टोरेन्ट में लोगों को शराब पीते हुए देख रेस्टोरेन्ट के मालिक रमेश सिंह सजवाण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

डायबिटीज के मरीजों को अंडे खाने से नहीं होता नुकसान

एक नए शोध में पता चला है कि डायबिटीज के मरीज अब रोजाना बेहिचक अंडे खा सकते हैं और ऐसा करने में उन्हें कोई नुकसान नहीं होने वाला है। हफ्ते में 12 अंडे तक खाने से टाइप टू डायबटिज वाले मरीजों को दिल की बीमारियों का कोई खतरा नहीं है। दरअसल अंडों में कोलेस्टेरोल का स्तर अधिक पाया जाता है। जिसकी वजह से डायबिटीज के मरीजों को आम तौर पर अंडे से बचने की सलाह दी जाती है। एक शोध के हवाले से बताया गया है कि अंडों का रक्त के कोलेस्टेरोल के स्तर पर कोई असर नहीं पड़ता है। इस शोध के सह लेखक और सिडनी विश्वविद्यालय के निकोलस फुलर ने कहा, "डायबिटीज की पूर्व अवस्था और टाइप–2 डायबिटीज के मरीजों के लिए अंडे खाने के सुरक्षित स्तर के बारे में सलाह में मतभेद के बावजूद हमारा शोध इंगित करता है कि अगर अंडे आपके खानपान की शैली का हिस्सा हैं, तो इन्हें खाने से परहेज मत करिए।"

यूपी सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता के खिलाफ महिला पिंक वेंडिंग जोन की महिलाओं ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा विकसित किए गए महिला पिंक वेंडिंग जोन पर आपत्ति उठा रहे यूपी सिंचाई विभाग के खिलाफ लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में रोड़ी बेलवाला स्थित महिला पिंक वेंडिंग जोन के प्रांगण में यूपी सिंचाई विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए मानव श्रृंखला बनाकर महिलाएं व पुरुष (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों ने अपने परिवार के सा एक दिवसीय धरना देकर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यूपी सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता की जांच करा कर कठोर कार्रवाई की मांग की।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में भारतवर्ष के फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के लिए 1 दर्जन से अधिक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है वही यूपी सरकार के मुख्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मेरठ, बरेली, कानपुर, इलाहाबाद, सहारनपुर, वाराणसी, मथुरा, वृंदावन, यूपी इत्यादि महानगरों में केंद्र सरकार के सहयोग से वेंडिंग जोन, हॉकिंग जोन विकसित किए जाने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है वहीं उत्तराखंड में बैठे उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के. अधिकारी अपनी मनमानी तुगलकी फरमान जारी कर केंद्र सरकार की योजनाओं की ध ज्जियां उड़ा रहे हैं जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा सभी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के साथ जनसंपर्क अभियान किया जा रहा है आने वाले दिनों में बड़ी रणनीति बनाकर उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का घेराव कर अपनी न्याय संगत मांगों के लिए चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किए जाएंगे।

महिला पिंक वेंडिंग जोन के अध्यक्ष पूनम मक्खन ने कहा एक तरफ तो केंद्र और उत्तराखंड सरकार महिला सशक्तिकरण कर महिलाओं को रोजगार के संसाधन उपलब्ध कराने के लिए वर्तक प्रयास कर रही है इसका जीता जागता स्वरूप भारतवर्ष का प्रथम महिला पिंक वेंडिंग जोन जोकि हरिद्वार नगर निगम रुड़की हरिद्वार विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किया गया है आज पिंक वेंडिंग जोन के माध्यम से सौ परिवार की रोजी–रोटी, बच्चों की शिक्षा व जीविका संचालित हो रही है उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा उत्तराखंड की भूमि पर किए जा रहे विकास के कार्यों पर आपत्ति उठाना न्याय पूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा यदि सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा वेंडिंग जोन पर की जा रही आपत्ति को निरस्त नहीं करता है तो इस पूरे प्रकरण की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिकायत की जाएगी।

सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश के खिलाफ महिला पिंक वेंडिंग जोन के प्रांगण में आक्रमक नारेबाजी कर जोरदार प्रदर्शन करते लघु व्यापारियों में श्रीमती कामिनी मिश्रा, सीमा देवी, पूनम दुआ, वीरो देवी, पूजा, पुष्पा दास, सुमन गुप्ता, श्रीमती गीता, शांति देवी, सुनीता चौहान, तुलसी, संगीता, पूनम कश्यप, शीला देवी, कमलेश्वर कमल, पंडित नंदकिशोर गोस्वामी, नीरज कश्यप, प्रभात चौधरी, वीरेंद्र कुमार, जय सिंह बिष्ट, रणवीर सिंह, अनूप सिंह, चुन्नू चौधरी, बिजेंदर चौधरी आदि सहित धरने प्रदर्शन का संचालन महामंत्री मनोज मंडल, राजेंद्र पाल, राजकुमार एंथनी ने संयुक्त रूप से किया।

11 पेटी अंग्रेजी शराब सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। शराब तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने 11 पेटी अंग्रेजी शराब व तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना थराली पुलिस को सूचना मिली कि कुछ शराब तस्कर क्षेत्र में अवैध रूप से शराब डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को सिमलसैन थराली के पास एक संदिग्ध बुलेरो वाहन आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वाहन चालक व उसका साथी भागने की कोशिश करने लगा। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उक्त वाहन से 11 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम अभिषेक रावत पुत्र धर्मपाल सिंह निवासी ग्राम कौब तहसील नारायणबगड़ पंती थराली व देवेन्द्र सिंह पुत्र राम सिंह ग्राम गुडम स्टेट तलवाड़ी थराली बताया। पुलिस ने उन्हे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

कारोबारी से रंगदारी मांगने वाला ड्राइवर साथी सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ट्रैवल्स कारोबारी से रंगदारी मांगने तथा न देने पर गोली मारने की धमकी देने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मात्र 24 घंटो के भीतर ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले का मुख्य षडयंत्रकर्ता कारोबारी का ही ड्राइवर है जिसके द्वारा इस प्रकरण को अपने साथी सहित मिलकर अंजाम दिया गया था।

जानकारी के अनुसार बीती 23 जुलाई की शाम को अज्ञात ई–रिक्शा चालक द्वारा ट्रैवल्स कारोबारी के कनखल स्थित कार्यलय में एक धमकी भरा पत्र दिया गया था। जिसको पढ़ते ही कारोबारी कपिल हंस निवासी ज्वालापुर द्वारा थाना कनखल पहुंचकर तहरीर देकर बताया गया था कि उन्हे किन्ही अज्ञात बदमाशों द्वारा रंगदारी देने को कहा गया है तथा न देने पर गोली मारने की धमकी दी गयी है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को कल देर शाम सूचना मिली कि उक्त मामले के आरोपी बैरागी कैम्प के समीप मौजूद है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर घटना में शामिल शहनवाज उर्फ सोनू व इरफान उर्फ नौशाद निवासी ज्वालापुर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी इरफान जो लगभग पिछले 5 वर्षों से हंस ट्रैवल्स के मालिक की गाडी चलाता है से पूछताछ में ज्ञात हुआ कि मालिक का बड़ा कारोबार देखकर मन में लालच आने की वजह से उसने अपने साथी शहनवाज से एक धमकी भरा पत्र लिखवाकर मालिक के घर पहुंचवाया, जिसमें स्पष्ट लिखा था कि मांग पूरी न करने पर गोली मार दी जाएगी। आरोपियों को लगा कि उनके ऐसा करने से कारोबारी डर जाएगा और चुपचाप उनको पैसे दे देगा। बहरहाल पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

राज्यों के बंटवारे को हवा मिलेगी

हरिशंकर व्यास

अनायास नहीं है जो मणिपुर में तीन मई से शुरू हुई हिंसा के दो महीने पूरे होने के बाद राज्य के बंटवारे की मांग तेज हो गई है। ऐसा लग रहा है कि कुछ लोग इस इंतजार में बैठे थे कि राज्य में हिंसा हो और कुकी व मैती समुदाय के बीच तनाव बढ़े तो राज्य के बंटवारे की मांग उठाएं। अब कुकी आदिवासियों के संगठन केआईएम ने अलग कुकी राज्य बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कुकी और मैती के बीच अविश्वास इतना बढ़ गया है कि अब दोनों साथ नहीं रह सकते हैं। अगर दोनों साथ रहे तो हिंसा चलती रहेगी। ध्यान रहे जहां भी एक बार इस तरह की बात शुरू हो जाती है तो वह बात समाप्त नहीं होती है। वह चलती जाती है और समुदायों के बीच खाई गहरी होती जाती है।

मणिपुर के नगा भाषी लोगों के क्षेत्र को नगालैंड में मिला कर वृहत्तर नगालिम बनाने की मांग दशकों से चल रही है। अलग कुकी राज्य की मांग के साथ ही वृहत्तर नगालिम की मांग तेज हो जाए तो हैरानी नहीं होगी। उधर त्रिपुरा में पहले ही टिपरा मोथा ने अलग राज्य की मांग रखी है। हैरानी की बात है कि टिपरा मोथा के नेता प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मन की कई बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात हुई है। उनकी पार्टी अलग ग्रेटर टिपरालैंड की मांग करती है। पहले भाजपा ने इस मांग को खारिज कर दिया था लेकिन चुनाव के बाद भाजपा ने टिपरा मोथा के साथ तालमेल किया। प्रद्योत देब बर्मन की पार्टी ने भाजपा की सरकार को समर्थन किया। एक दूसरी आदिवासी पार्टी पहले से भाजपा के समर्थन में है। पिछले चुनाव में टिपरा मोथा ने 42 उम्मीदवार उतारे थे और 13 सीटों पर जीत हासिल की। इससे पार्टी नेताओं का हौसला बढ़ा है और वे अलग राज्य की मांग तेज कर रहे हैं।

इसी तरह पश्चिम बंगाल में भी विभाजन की मांग तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा इस मांग को हवा दे रही है। सोचें, क्या संयोग है कि भाजपा की सरकार में मणिपुर में हिंदू बनाम कुकी आदिवासी का विवाद चल रहा है और अलग आदिवासी राज्य की मांग उठी है। इसी तरह त्रिपुरा में भाजपा की सरकार में अलग आदिवासी राज्य की मांग करने वाली पार्टी भाजपा के साथ है और हिंदुओं से अलग आदिवासी राज्य की मांग जोर पकड़ रही है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में भी उत्तरी बंगाल को अलग राज्य बनाने की मांग जोर पकड़ रही है। भाजपा के एक सांसद ने पहले इसकी मांग की थी, जिसका तृणमूल कांग्रेस ने विरोध किया। अब अलग राज्य के जोरदार समर्थक अनंत राय महाराज को भाजपा ने राज्यसभा भेजा है। ध्यान रहे भाजपा को पश्चिम बंगाल में पहली बार राज्यसभा की सीट मिली तो उसने कूचबिहार के पुराने राजघराने के व्यक्ति अनंत राय महाराज को उम्मीदवार बनाया। उस इलाके में करीब 30 फीसदी राजबंशी समुदाय के लोग हैं, जो अनुसूचित जनजाति के तहत आते हैं। यानी पश्चिम बंगाल के एक हिस्से में भी हिंदू बनाम आदिवासी का विवाद बढ़ रहा है और भाजपा ने आदिवासी समुदाय के अनंत राय महाराज को राज्यसभा भेजने का फैसला किया है।

शहर बाढ़ से कैसे बचें?

सवाल सिर्फ बाढ़ का पानी भरने का नहीं है, बल्कि हकीकत यह है कि भारी बारिश की स्थिति में भी महानगरों में बाढ़ जैसा नजारा पैदा होता रहा है। मुंबई, चेन्नई, बंगलुरू और अब दिल्ली में भी इस तरह की गंभीर समस्या खड़ी हो चुकी है।

देश की राजधानी का बड़ा हिस्सा पिछले हफ्ते बाढ़ में डूब गया। बारिश हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हुई, जिससे यमुना में पानी आया। उस पानी को हरियाणा में स्थित हथिनीकुंड बराज नहीं संभाल सकता था, तो उसे आगे यमुना में छोड़ दिया गया। नतीजा दिल्ली में ऐसा नजारा देखने को मिला, जो दशकों से कभी नहीं दिखा था। गौरतलब है कि बीते सप्ताह के अंत में मानसून की अत्यधिक भारी शुरुआत के कारण हिमाचल के कई जिलों में एक दिन में ही एक महीने के बराबर बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले समय में भी और भारी बारिश होने का अनुमान है। आशंका जताई है कि ऐसा हुआ तो, इससे पूरे क्षेत्र में सड़कों पर पानी भर जाएगा, ट्रैफिक जाम होगा और बिजली कटौती हो सकती है। उत्तर भारत के कई राज्यों में भारी बारिश के बाद हालात पहले से ही बहुत खराब हैं। गंगा, रावी, चिनाब, ब्यास, सतलुज समेत कई नदियां उफान पर हैं। इसी का परिणाम हुआ कि दिल्ली में यमुना नदी का जल स्तर ऐतिहासिक रूप से काफी बढ़ गया।

दिल्ली के ना सिर्फ निचले इलाके डूब गए, बल्कि कई पॉश इलाकों में भी पानी भर गया। इससे शहरों के मौजूदा ढांचे को लेकर एक बहस खड़ी हो गई है। सवाल सिर्फ बाढ़ का पानी भरने का नहीं है, बल्कि हकीकत यह है कि भारी बारिश की स्थिति में भी महानगरों में बाढ़ जैसा नजारा पैदा होता रहा है। मुंबई, चेन्नई, बंगलुरू और अब दिल्ली में भी इस तरह की गंभीर समस्या खड़ी हो चुकी है। इसका समाधान क्या है? (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

आपको सेहतमंद बना देगी जमीन पर बैठने की आदत

जमीन पर बैठना प्राचीन भारतीय संस्कृति रही है। हमारे यहां खाना खाने से लेकर शिक्षा पाने तक कई काम जमीन पर ही बैठकर ही किए जाते थे। लेकिन समय बदलने के साथ अब कुर्सी और सोफे ने अपनी जगह बना ली है। यह सच है कि इन चीजों से हमारी लाइफस्टाइल बदली हैं और सुविधाएं भी बढ़ी हैं लेकिन इससे सेहत से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ी हैं। जमीन पर बैठना सिर्फ हमारी संस्कृति ही नहीं थी, इससे कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स भी हैं। जमीन पर बैठने के फायदे अगर आप जान लेंगे तो यकीन मानिए कुर्सी पर बैठना छोड़ देंगे।

जमीन पर बैठने के 5 जबरदस्त फायदे

माइंड पॉजिटिव रहता है

जमीन पर बैठने से मन में पॉजिटिविटी बढ़ती है। इससे दिल-दिमाग से निगेटिविटी का सफाया हो जाता है। अगर आप हर दिन 10 से 15 मिनट ही जमीन पर बैठते हैं तो खुद में एक अलग तरह की एनर्जी महसूस करेंगे।

बॉडी फ्लैक्सिबल बनती है

जमीन पर बैठने और उठने में शरीर के सभी मुख्य जोड़ों का इस्तेमाल होता है। कई मांसपेशियां भी इसमें वर्क करती हैं। रोजाना जमीन पर बैठना एक तरह की एक्सरसाइज ही है। नियमित तौर पर इसकी प्रैक्टिस बॉडी को फ्लैक्सिबल बनाती है।

दिमाग के लिए फायदेमंद

पद्मासन और सुखासन की तरह ही जमीन पर बैठना भी दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद होता है। अगर आपका मन पढ़ाई में नहीं लग रहा है या किसी चीज में दिमाग नहीं काम कर रहा तो जमीन पर बैठने का आदत डालनी चाहिए।

बॉडी पोश्चर बेहतर होती है

अगर आप रोजाना जमीन पर बैठते हैं तो आपकी बॉडी पोश्चर सुधरती है। चूंकि हर दिन जमीन पर बैठने से मांसपेशियां और जोड़े काम करते हैं, उनका इस्तेमाल होता है, इससे पोश्चर में सुधार होता है।

पाचन तंत्र दुरुस्त होता है

जमीन पर बैठने से पाचन क्रिया अच्छी होती है। जमीन पर बैठकर भोजन करना पेट के लिए फायदेमंद होता है। इससे पाचन तंत्र की समस्याएं कम होती हैं। इसलिए रोजाना जमीन पर जरूर बैठें। हो सके तो खाना जमीन पर ही बैठकर खाएं। (आरएनएस)

बिखरी जुल्फों, और ब्रालेट पहनकर निक्की तंबोली ने दिए पोज

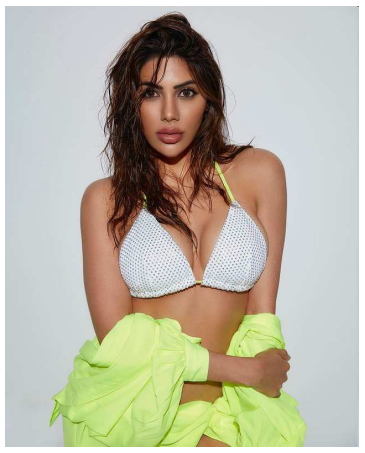

निक्की तंबोली आए दिन अपनी हॉट फोटोज के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में निक्की तंबोली ने अपने स्टाइलिश आउटफिट से फैंस दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपनी हॉटनेस से लोगों का दिल जीतती नजर आ रही हैं। अपनी स्टाइलिश अंदाज और यूनिक ड्रेसिंग सेंस से हर वक्त दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस निक्की तंबोली का जादू लोगों के सर चढ़कर बोल रहा है। एक्ट्रेस आए दिन इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड और खूबसूरत फोटोज से इंटरनेट पर आग लगा देती हैं। हाल ही में निक्की तंबोली ने बेहद ही रिवीलिंग आउटफिट में फैंस के बीच अपने सेक्सी कर्व्स फ्लॉन्ट किए हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के दिलों पर खंजर चल गए हैं। निक्की तंबोली ने अपनी इन तस्वीरों में व्हाइट कलर की डॉटेड ब्रालेट और ग्रीन कलर की स्टाइलिश स्कर्ट पहनी हुई है। अभिनेत्री निक्की अपने इस अवतार में बेहद ही सेक्सी और हॉट नजर आ रही हैं।

बता दें कि निक्की तंबोली ने अपनी इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कैप्शन शेयर किया है कि निसंकोच होकर मेरी तारीफ करें। निक्की तंबोली को अपनी इन तस्वीरों को पोस्ट किए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 84 हजार से भी ज्यादा यूजर्स के लाइक्स मिल चुके हैं।

शब्द सामर्थ्य -091

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

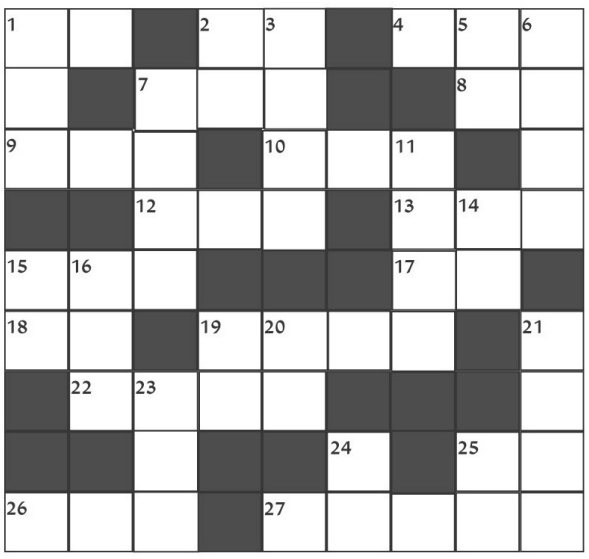

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 90 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

ब्लू डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस अवनीत कौर का बोल्ड लुक वायरल

21 साल की एक्ट्रेस अवनीत कौर की स्टाइलिश आउटफिट को देखकर फैंस का आहें भरना लाजमी है। उनका बोल्ड और किलर अंदाज फैंस के सिर आंखों पर चढ़कर बोलता है। वहीं, एक्ट्रेस अवनीत कौर ने लेटेस्ट आउटफिट के साथ अपनी किलर तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।एक्ट्रेस अवनीत कौर ने ब्लू कलर की डीपनेक बॉडीकॉन ड्रेस में एक से बढ़कर एक किलर पोज दिए। टीकू वेड्स शेरू फेम एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने कातिलाना अंदाज से फैंस के दिलों को बेताब करने का हुनर बखूबी जानती हैं। ब्लू कल की डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस अवनीत कौर अपना जमकर क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। इनडोर सेटअप में एक्ट्रेस अवनीत कौर की तस्वीरों पर फैंस बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। साथ ही लाइक्स और कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस अवनीत कौर कभी अपने ट्रेडिशनल लुक तो कभी अपने ग्लैमरस अंदाज से धमाल मचाए रहती हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस के इंस्टा पर 32.9 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए लगातार वीडियो या फोटो शेयर करती रहती हैं। अवनीत जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टा पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक करते हैं।

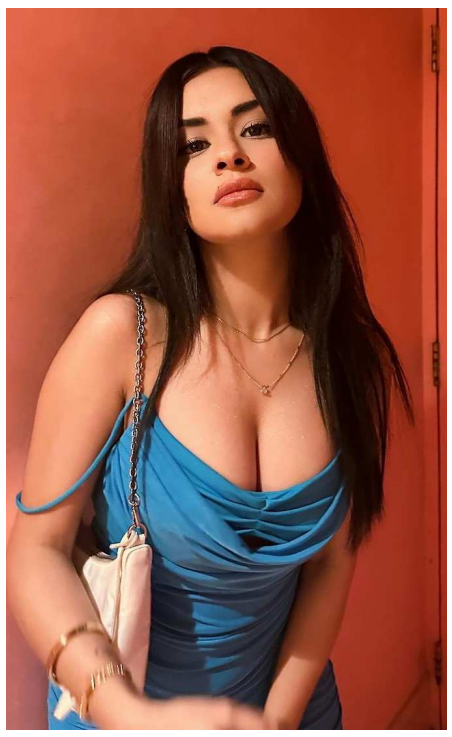

शोभिता धुलिपाला की मेड इन हेवन के दूसरे भाग का ऐलान

साल 2019 में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई मेड इन हेवन को दर्शकों द्वारा भरपूर प्यार मिला था। इसमें अर्जुन माथुर, शोभिता धुलिपाला, कल्कि कोचलिन, जिम सर्भ, शशांक अरोड़ा और शिवानी रघुवंशी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। दर्शक पिछले लंबे वक्त से मेड इन हेवन के दूसरे भाग का इंतजार कर रहे थे, जो अब खत्म हो चुका है। गुरुवार को निर्माताओं ने मेड इन हेवन 2 का ऐलान कर दिया है।

अमेजन प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर मेड इन हेवन का पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, क्या हम एक क्षण रुककर कह सकते हैं। हे भगवान? मेड इन हेवन 2 जल्द आ रहे है केवल प्राइम वीडियो पर। इसके साथ फरहान अख्तर ने खुलासा किया कि मेड इन हेवन 2 जल्द रिलीज होगी। मेड इन हेवन 2 का निर्माण नित्या मेहरा, जोया अख्तर, प्रशांत नायर और अलंकृता श्रीवास्तव द्वारा किया जा रहा है।

200 करोड़ रुपये में बिके प्रभास की फिल्म के ओटीटी राइट्स

इंडियन सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म सालार को लेकर इन दिनों खासा बज है। सुपरस्टार प्रभास और श्रुति हासन स्टारर केजीएफ फेम निर्देशक प्रशांत नील की इस फिल्म से फैंस को भारी उम्मीदे हैं। यही वजह है कि फिल्म से जुड़ी हर छोटी से बड़ी बात सेंसेशन बन जाती है। अब हाल ही में इस फिल्म को लेकर एक बड़ी दिलचस्प जानकारी सामने आई है। खबर है कि मेकर्स ने फिल्म के ओटीटी राइट्स एक मोटी रकम में बेचे हैं। जिससे जानने के बाद लोग सुपरस्टार प्रभास के स्टारडम की दाद देते दिखे।

मिली जानकारी के मुताबिक सालार के पोस्ट रिलीज ओटीटी राइट्स को निर्माताओं ने 200 करोड़ रुपये की बड़ी डील के साथ बेचा है। अभी साफ नहीं है कि ये रकम सभी भाषाओं की ओटीटी रिलीज के लिए है। या फिर किसी एक भाषा की ओटीटी रिलीज को लेकर है। इतना ही नहीं, फिलहाल ये भी साफ नहीं हुआ है कि ये मोटी डील किस ओटीटी प्लेटफॉर्म ने क्रैक की है। फिलहाल सिर्फ यही जानकारी सामने आई है कि इस फिल्म की ओटीटी रिलीज के अधिकार 200 करोड़ रुपये में बिके हैं। बता दें कि सुपरस्टार प्रभास और श्रुति हासन स्टारर फिल्म सालार का धांसू टीजर निर्माताओं ने कुछ दिनों पहले ही जारी किया था। जिसने रिलीज के महज 24 घंटे के अंदर ही 82 मिलियन व्यूज का बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया था। इस फिल्म के टीजर को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद अब निर्माताओं की नजर फिल्म के बॉक्स ऑफिस कारोबार पर टिकी है। इससे पहले अभी तक फिल्म का टीजर यूट्यूब पर 117 मिलियन व्यूज के आंकड़े को पार कर चुका है। जो एक बड़ी बात है।

पंकज त्रिपाठी ने पूरी की अपनी अपकमिंग फिल्म मैं अटल हूं की शूटिंग

फिल्म 'ओह माई गोड' में काम करने के बाद फैंस के लिए पंकज त्रिपाठी ने एक और ट्रीट दी है। आपको बता दें पंकज अक्षय कुमार की फिल्म के अलावा फिल्म अटल में भी काम कर रहे हैं। एक्टर ने फिल्म में अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभाई है। एक्टर ने हाल ही में फिल्म की शूटिंग खत्म की है। एक्टर ने फिल्म की शूटिंग लखनऊ में भी की है। जहां वह उत्तर प्रदेश के सीएम से आदित्यनाथ योगी से भी मुलाकात की। दोनों ने फिल्म को लेकर डिटेल में बात भी की।शूटिंग पूरी करने के बाद एक्टर ने अपना फिल्म से जुड़े एक्सपीरियंस के बारे में बात की। एक वीडियो शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा कि एक्टर के लिए ऑल टाइम ग्रेट पॉलिटिशियन का किरदार निभाना उनके लिए बेहद मुश्किल था ।हालांकि फिल्म में अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाना उनके लिए सम्मान की बात है।एक्टर आगे कहते हैं कि अटल जी के बोलने का लहज़ा, उनकी लाइफ स्टाइल को समझने के लिए एक्टर को बहुत कड़ी मेहनत करना पड़ा। पंकज ने कहा कि' मैं अटल हूं' की शूटिंग के दौरान वह बेहद एक्साइटेड थे, लेकिन फिल्म के दौरान चुनौतियां भी कम नहीं थीं।जानकारी के लिए बता दें 'मैं अटल हूं' की शूटिंग खत्म 15 जुलाई को मुंबई में फिल्म का आखिरी शेड्यूल को पूरा कर लिया गया है।

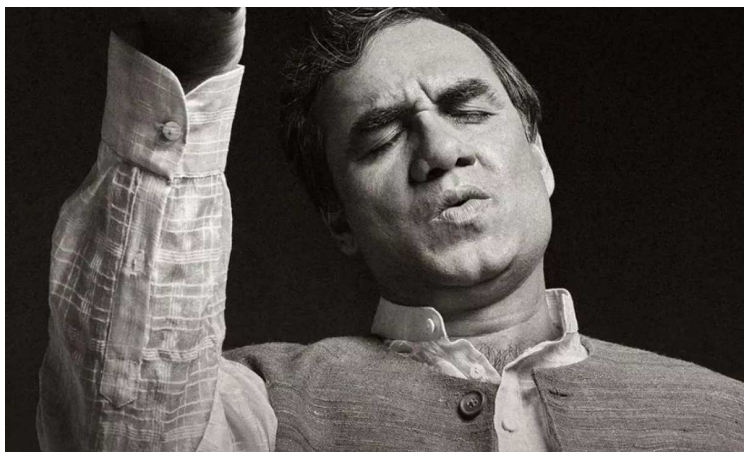

फिल्म की शूटिंग बई, दिल्ली, कानपुर और लखनऊ के स्थानों पर 45 दिनों तक चली। अटल जी के बचपन और उनकी असाधारण राजनीतिक यात्रा से जुड़ी सारी बातें फिल्म में होंगी। रिलीज़ डेट के बारे हालांकि अभी कोई जानकारी नहीं है। डायरेक्शन रवि जाधव कर रहे हैं , वहीं ऋषि विरमानी उनके साथ फिल्म को को-राइट किया हैं, वहीं एक्टर ने जहां एक फिल्म की शूटिंग पूरी की है। वहीं दूसरी तरफ उनकी दूसरी फिल्म पर तलवार लटक रही है।

फिल्म पर सेंसर बोर्ड के पास फिलहाल रीव्यु के लिए भेजा गया है। सेंसर बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद ही फिल्म रिलीज़ के लिए तैयार होगी।

फिल्म में एक्टर कॉलेज प्रोफेसर कांति शरण का किरदार निभायेंगे। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। आपको बता दें कि फिल्म की कहानी एक ऑस्ट्रेलियाई फिल्म 'द मैन हू स्युड गॉड' से जुड़ी हुई है। फिल्म में अक्षय के साथ मिथुन चक्रवर्ती और परेश रावल भी हैं। आपको बता दें कि अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड 2 की फिल्म 11 अगस्त 2023 को रिलीज़ होने वाली है।

शाहरुख खान की फिल्म जवान का थीम सॉन्ग हुआ रिलीज!

दर्शक शाहरुख खान की एक झलक भर पाने को हमेशा बेकरार दिखते हैं। और अब जब किंग खान की जवान रिलीज के लिए तैयार है, तो उनके फैन्स के एक्साइटमेंट लेवल का अंदाजा आप सब लगा सकते हैं।

इस फिल्म ने पहले ही अपने दिलचस्प पोस्टर और एक छोटे से अनाउंसमेंट टीजर के साथ लोगों के मन में फिल्म देखने की चाह पैदा कर दी थी, पर हाल ही में आए जवान के शानदार प्रीव्यू में शाहरुख खान के डिफरेंट लुक्स और नेवर सीन बिफोर अवतार की झलक ने इसे एक अलग लेवल पर पहुंचा दिया। प्रीव्यू ने सभी का खूब ध्यान खींचा जिसमें फिल्म की शानदार कास्ट से लेकर जबरदस्त एक्शन तक को लोगों का प्यार मिला।

इसके अलावा प्रीव्यू में एक और चीज़ जिसने सभी का ध्यान खींचा, वह है इसका बैकग्राउंड म्यूजिक, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। फैन्स और दर्शक बेसब्री से थीम सॉन्ग के रिलीज होने का इंतजार करने लगे,जो अब खत्म हो गया है।

जी हां, मेकर्स ने सभी की डिमांग को ध्यान में रखते हुए आखिरकार जवान का थीम सॉन्ग रिलीज कर दिया है, जिसे अनिरुद्ध रविचंद्रन ने कंपोज किया हैं और राजा कुमारी ने गाया हैं।

इस थीम सॉन्ग को भी सभी का बहुत प्यार मिल रहा है और जिसने एक बार फिर फिल्म में उनकी दिलचस्पी बढ़ा दी है।

अगर आप भी शाहरुख खान के बड़े फैन हैं और फिल्म जवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे रहे हैं तो याद दिला दें कि सुपरस्टार एसआरके की फिल्म 7 सितंबर को सिनेमाघरों में आ रही है।

डेजी शाह ने खतरों के खिलाड़ी 13 के साथ किया छोटे पर्दे का रुख

रोहित शेट्टी अपने रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 13वें सीजन के साथ टीवी पर वापसी कर चुके हैं। बीते दिन से शुरू हुए इस शो में बॉलीवुड अभिनेत्री डेजी शाह भी नजर आ रही हैं। बीते काफी समय से अभिनेत्री के छोटे पर्दे पर डेब्यू करने की खबरें आ रही थीं और अब डेजी ने इस बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने बताया कि क्यों उन्होंने करियर के इस मोड़ पर टीवी पर आने का फैसला किया।

डेजी ने बताया कि अपने करियर के इस पड़ाव पर एक रियलिटी शो का हिस्सा बनकर वह क्या महसूस करती हैं और यह उनके लिए कैसे कारगर साबित होगा। डेजी ने कहा, मुझे लगता है कि यह बस लोगों की धारणा है। मुझे नहीं लगता कि आज के समय में अभिनेताओं को इन चीजों के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, सब कुछ बराबर है, चाहे वह टीवी हो, फिल्म हो या फिर ओटीटी।

डेजी ने खतरों के खिलाड़ी 13 का हिस्सा बनने पर कहा, मैं हमेशा से ही इस शो को अनुभव के लिए करना चाहती थी। मैं एक साहसी महिला हूं और मुझे ऐसी चीजें करना पसंद है। उन्होंने कहा, मेरे पास अभी समय था क्योंकि मेरा एक प्रोजेक्ट पोस्ट-प्रोडक्शन में है और जिस प्रोजेक्ट की शूटिंग मुझे करनी है, वह नवंबर से पहले फ्लोर पर नहीं जाएगा। ऐसे में जब मुझे शो ऑफर हुआ तो मुझे लगा कि क्यों नहीं।

शो में डेजी के अलावा रोहित रॉय, ऐश्वर्या शर्मा, शिव ठाकरे, शीजान खान, रूही चतुर्वेदी, अंजुम फकीह, अर्जित तनेजा, अर्चना गौतम, नायरा बनर्जी, अंजलि आनंद सहित 13 कंटेस्टेंट हिस्सा ले रहे हैं। पहले ही दिन हुए टास्क में डेजी ने रोहित को हराकर जीत हासिल की और सुरक्षित हो गईं। ज्ञात हो कि शो के कुछ एपिसोड में पिछले सीजन का हिस्सा रह चुके कंटेस्टेंट हिना खान, दिव्यांका त्रिपाठी और मिस्टर फैजू भी नजर आएंगे।

डेजी ने लंबे समय तक असिस्टेंट कोरियोग्राफर के तौर पर काम किया था और वह गणेश आचार्य की टीम में शामिल थीं। इसके बाद उन्होंने बड़े पर्दे की ओर रुख किया और 2011 में कन्नड़ फिल्म भद्रा और बॉडीगार्ड में काम किया। हालांकि, उनकी किस्मत 2014 में सलमान खान के साथ आई जय हो से चमकी। अभिनेता ने उन्हें अपनी फिल्म में मौका दिया था, जिसके बाद वह हेट स्टोरी 3 और रेस 3 जैसी फिल्मों का हिस्सा बनी थीं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सबक

अजीत द्विवेदी

इस साल दूसरी बार हुआ है, जब संवैधानिक और प्रशासनिक नियुक्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसले सुनाए हैं। पहले मार्च में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध और फिर जुलाई में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के प्रमुख की नियुक्ति के मामले में। दोनों फैसले सरकार के कामकाज पर सवालिया निशान लगाने वाले हैं। तभी सवाल है कि क्या सरकार इससे कुछ सबक लेगी या सब कुछ पहले की तरह एक ढर्रे पर चलता रहेगा? सुप्रीम कोर्ट के दो अहम फैसलों के बाद भी यह सवाल इसलिए है क्योंकि मौजूदा सरकार अधिकारियों की नियुक्ति के मामले में बिल्कुल अलग पैटर्न पर काम कर रही है।

बड़ी छानबीन के बाद अधिकारियों की नियुक्ति हो रही है और एक बार नियुक्ति हो जाने पर उस अधिकारी को लंबे समय तक पद पर बनाए रखा जाता है। संवेदनशील पदों पर भी ऐसे अधिकारी काम कर रहे हैं, जो सेवा विस्तार पर हैं या संविदा पर रखे गए हैं। इसमें सरकार की मंशा भले कुछ भी हो परंतु संदेश ऐसा जा रहा है कि सरकार अधिकारियों पर तलवार लटकाए रखना चाहती है ताकि उनसे मनमाना काम कराया जा सके।

प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक संजय कुमार मिश्रा का मामला भी ऐसा ही है। उनको नवंबर 2018 में दो साल के निश्चित कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया था। नवंबर 2020 में कार्यकाल पूरा होने से पहले उनको एक साल का सेवा विस्तार दिया गया। उसी समय इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सर्वोच्च अदालत ने इस पर सुनवाई के बाद केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि नवंबर 2021 में विस्तारित कार्यकाल खत्म होने के बाद सरकार उनको फिर से नियुक्ति नहीं देगी। लेकिन सरकार ने उनको पद पर बनाए रखने के लिए एक अध्यादेश जारी कर दिया, जिसमें कहा गया कि सरकार ईडी और सीबीआई के निदेशकों को दो साल के बाद तीन साल तक एक एक साल का सेवा विस्तार दे सकती है।

यानी उनको पांच साल तक पद पर रख सकती है। बाद में सरकार ने केंद्रीय सतर्कता आयोग (संशोधन) कानून 2021 और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (संशोधन) कानून 2021 संसद से पास कराया। सुप्रीम कोर्ट ने संसद से पारित इन कानूनों की वैधता को स्वीकार किया लेकिन ईडी के तौर पर संजय कुमार मिश्रा को मिले तीसरे सेवा विस्तार को अवैध ठहराते हुए कहा कि वे 31 जुलाई तक ही पद पर रह सकते हैं। इस बीच सरकार नए ईडी प्रमुख की नियुक्ति करे। सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई तक का समय विशुद्ध रूप से प्रशासनिक कारणों से दिया ताकि प्रवर्तन एजेंसी का कामकाज प्रभावित न हो।

इस प्रकरण से कुछ गंभीर सवाल खड़े हुए हैं, जिन पर सरकार को विचार करना चाहिए। पहला सवाल तो यह है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे किसी भी पद पर हो वह कैसे संवैधानिक नियमों, परंपराओं और अदालती आदेशों से ऊपर हो सकता है? दूसरा सवाल यह है कि कोई भी अधिकारी इतना अपरिहार्य कैसे हो सकता है कि उसके बगैर काम नहीं चले? ध्यान रहे सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने मिश्रा को सेवा विस्तार देने के फैसले को इसी आधार पर न्यायसंगत ठहराया था कि वे कई महत्वपूर्ण और गंभीर मामलों की जांच कर रहे हैं इसलिए उनको नहीं हटाया जा सकता है।

सवाल है कि अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने उनको हटा दिया तो उन गंभीर और महत्वपूर्ण मामलों का क्या होगा? क्या अब उनकी जांच नहीं होगी? अगर कोई एक व्यक्ति इतना महत्वपूर्ण हो जाए कि उसके बगैर किसी संस्था का काम नहीं चले तो फिर इससे संस्था और व्यवस्था की कमजोरी जाहिर होती है। इससे यह पता चलता है कि व्यवस्था में कोई संरचनात्मक या संस्थागत खामी आ गई है। उसे तत्काल दूर किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक लंबा ट्विट करके कई बहुत अच्छी बातें कहीं, जिससे ऊपर उठाए गए सवालों का जवाब भी मिलता है। उन्होंने लिखा- ईडी एक संस्था है, जो किसी भी व्यक्ति से ऊपर है और यह प्रतिबद्ध है अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए। इसका लक्ष्य है- धन शोधन के अपराध और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन की जांच करना। सोचें, हर संस्था वहां काम करने वाले व्यक्तियों यानी अधिकारियों से ऊपर हो इससे अच्छी बात क्या हो सकती है! यह किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का बुनियादी सिद्धांत है कि व्यक्ति या अधिकारी संस्था के लिए होते हैं, संस्थाएं अधिकारियों या व्यक्तियों के लिए नहीं होती हैं।

संस्थाएं दशकों, सदियों तक नियमों के अनुपालन और हजारों, लाखों लोगों के अनथक परिश्रम का परिणाम होती हैं। उन्हें किसी एक व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह पर निर्भर नहीं बनाया जा सकता है। हैरानी है कि अमित शाह इस बात को जानते हैं, जैसा कि उन्होंने ट्विट किया फिर भी उनकी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि मौजूदा ईडी प्रमुख कई महत्वपूर्ण और गंभीर मामलों की जांच कर रहे हैं इसलिए उनको नहीं हटाया जा सकता है।

ध्यान रहे संवैधानिक, वैधानिक और प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति की शुचिता, गरिमा और उस पर लाखों, करोड़ों लोगों का विश्वास तभी बनता है, जब उसमें पारदर्शिता हो और लोगों को लगे कि सरकार ने बिना किसी पक्षपात या पूर्वाग्रह के नियुक्ति की है। ऐसा हो या न हो लेकिन सार्वजनिक तौर पर ऐसा दिखना जरूर चाहिए। दुर्भाग्य से पिछले कुछ समय से नियुक्तियां इस अंदाज में हो रही हैं और इस अंदाज में अधिकारियों को सेवा विस्तार दिया जा रहा है, जिसमें पारदर्शिता की कमी दिख रही है। उनसे ऐसा मैसेज जा रहा है कि सरकार किसी खास मकसद से किसी अधिकारी को नियुक्त कर रही है या किसी अधिकारी को किसी खास पद पर लंबे समय तक बनाए रख रही है। पिछले साल चुनाव आयुक्त के तौर पर अरुण गोयल की नियुक्ति के मामले में भी ऐसा ही हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने खुद सरकार का ध्यान इस ओर दिलाया था। जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने फैसले में लिखा- हम इस बात से थोड़े हैरान हैं कि अधिकारी ने 18 नवंबर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन कैसे किया था, अगर उन्हें नियुक्ति के प्रस्ताव के बारे में पता नहीं था। ध्यान रहे अरुण गोयल 1985 बैच के पंजाब काडर के आईएएस अधिकार हैं। उनको 31 दिसंबर 2022 को रिटायर होना था लेकिन उन्होंने 18 नवंबर को अचानक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया और अगले दिन यानी 19 नवंबर को उनको चुनाव आयुक्त बना दिया गया। उन्होंने 21 नवंबर को कार्यभार भी संभाल लिया। मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार फरवरी 2025 में रिटायर होंगे और उसके बाद अरुण गोयल मुख्य चुनाव आयुक्त बन सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गोयल की नियुक्ति पर कोई फैसला नहीं सुनाया लेकिन सरकार से कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का कानून बनने तक तीन सदस्यों के पैनल के जरिए इनकी नियुक्ति की जाए। पैनल में प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस और लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के नेता सदस्य होंगे। सीबीआई निदेशक की नियुक्ति भी ऐसे ही होती है।

ध्यान रहे पहले सीबीआई निदेशक की नियुक्ति सिर्फ सरकार की मर्जी से होती थी और तब भी विपक्षी पार्टियां इस एजेंसी के दुरुपयोग के आरोप लगाती थीं। बाद में सुप्रीम कोर्ट की पहल पर ही तीन सदस्यों के पैनल के जरिए नियुक्ति होने लगी। हालांकि इससे सीबीआई पर पक्षपात के आरोप लगने बंद नहीं हो गए। इस व्यवस्था में ही सीबीआई के इतिहास का सबसे बुरा विवाद कुछ समय पहले हुआ था, जब निदेशक को आधी रात को हटाया गया था और सीआरपीएफ की सुरक्षा में एक अधिकारी को कार्यकारी निदेशक बनाया गया था। बहरहाल, इन दोनों मामलों का सबक यह है कि सरकार को सभी महत्वपूर्ण नियुक्तियों में पारदर्शिता बरतनी चाहिए और यह भी ध्यान रखना चाहिए कि लोगों में यह संदेश नहीं जाए कि सरकार अपनी पसंद के अधिकारी बनाने या बनाए रखने के लिए नियमों को तोड़-मरोड़ रही है। सरकार अपने भरोसे से अधिकारी लाने की बजाय सभी अधिकारियों पर भरोसा करने लगे तो ऐसी समस्या नहीं आएगी।

सू- दोकू क्र.091

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.90 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

कर्ज का ये बोझ क्यों?

चूंकि यह ऋण संकट ज्यादातर गरीब और विकासशील देशों पर है, इसलिए इस पर अपेक्षित चर्चा नहीं होती। दुनिया के सूचना तंत्र पर धनी पश्चिमी देशों का नियंत्रण है, जिसकी वजह से ये देश विश्व समस्याओं को अपने नजरिए पेश करने में हमेशा सफल रहते हैं। चूंकि ज्यादातर कर्ज पश्चिमी संस्थाओं ने ही दे रखा है, इसलिए इस मुद्दे पर ज्यादा बहस नहीं होती- संभवत: इसलिए भी कि अगर बहस हुई, तो ऋण माफी की मांग जोर पकड़ सकती है।

विकासशील दुनिया इस वक्त कर्ज के कैसे बोझ तले दबी हुई है, इसकी एक चिंताजनक तस्वीर अब सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट से जाहिर हुआ है कि दुनिया की आधी आबादी उन देशों में रहती हैं, जो स्वास्थ्य देखभाल या शिक्षा पर खर्च करने के बजाय कर्ज की किश्तें चुकाने पर अपना अधिक बजट खर्च करने के लिए मजबूर हैं। संयुक्त राष्ट्र वैश्विक संकट कार्रवाई समूह ने 'कर्ज की दुनिया' नाम की यह रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक 52 देश फिलहाल 'गंभीर कर्ज संकट' से गुजर रहे हैं। यह विकासशील दुनिया का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है। पिछले वर्ष विभिन्न देशों की सरकारों पर कर्ज 9.2 हजार अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो एक रिकॉर्ड है। इसका 30 फीसदी भार विकासशील देशों पर है। चूंकि यह ऋण संकट ज्यादातर गरीब और विकासशील देशों पर है, इसलिए इस पर अपेक्षित चर्चा नहीं होती। दुनिया के सूचना तंत्र पर धनी पश्चिमी देशों का नियंत्रण है, जिसकी वजह से ये देश विश्व समस्याओं को अपने नजरिए पेश करने में हमेशा सफल रहते हैं।

ताज

रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने तैयार की है। उसमें कहा गया है कि कोविड महामारी, दैनिक खर्चों में भारी बढ़ोतरी और यूक्रेन में युद्ध ने 2020 के बाद 16.5 करोड़ लोगों को गरीबी में धकेल दिया। अनुमान है कि 2023 के अंत तक 7.5 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में धकेल दिए जाएंगे। इसका अर्थ है कि वे प्रतिदिन 2.15 डॉलर से भी कम खर्च पर जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर हो जाएंगे। अन्य 9 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हो जाएंगे, जिनके पास रोजाना खर्च करने के लिए मात्र 3.65 डॉलर तक उपलब्ध होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे गरीब लोग हाल की घटनाओं से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। उनकी आय आज भी 2023 में कोरोना काल के पहले वाले स्तर से नीचे है।(आरएनएस)

फकीर की ताकत

शिवाजी महाराज साधु-संतों का बड़ा आदर करते थे। एक बार शिवाजी के दरबार के कर्मचारी संतों के डेरों पर साधुओं को बहुत बहुमूल्य वस्तुएं देकर आए। जब उपहार बंट रहे थे तो उन्हें खबर हुई एक संत ने यह कीमती वस्त्र, हीरे मोती और स्वर्ण मुद्राएं लेने से मना कर दिया। सैनिकों ने बताया कि जन-जन में बहुत लोकप्रिय संत तुकाराम हैं, जिन्होंने यह उपहार लेने से मना कर दिया। शिवाजी को ध्यान आया कि इस ख्याति प्राप्त संत के बारे में तो उन्होंने खुद भी काफी सुना है। उन्होंने कहा क वह स्वयं जाकर संत से बात करेंगे। शिवाजी ने कहा 'महाराज माना कि आप मोहमाया से दूर हैं। लेकिन मेरा यह उपहार तो स्वीकार कर लीजिए।' संत तुकाराम ने कहा 'महाराज मैं यह सब लौटाकर आपका अनादर नहीं करना चाहता। मेरा संदर्भ सिर्फ इतना है कि ये कीमती वस्त्र, ये स्वर्ण मुद्राएंज्ये सब मेरे लिए ऐसी हैं जैसे मिट्टी।' उन्होंने शिवाजी से कहा 'जब मुझे अपनी दो वक्त की रोटी और दो कपड़े से अधिक चाहिए ही नहीं तो यह सब मेरे किस काम की। मेरी फकीरी मेरी मस्ती है, मेरी मस्ती ही मेरी ताकत है। तो हे महाराज! आप मुझ से मेरी ताकत न छीनिए।' शिवाजी ने कहा हे संत श्रेष्ठ! मेरे सारे प्रश्न आपके महान जीवनशैली के नियमों के आगे छोटे हैं। वाकई सच्चे संत का जीवन जीने का ढंग सब कुछ कह जाता है।'

राज्यपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री खण्डूडी से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिह ने पूर्व मुख्यमंत्री भुवनचंद खण्डूडी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

आज यहां उत्तराखंड राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खण्डूडी से शिष्टाचार भेंट वार्ता की। वसंत विहार कॉलोनी स्थित पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खण्डूडी के निजी आवास पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने उनसे शिष्टाचार भेंट वार्ता की। इस अवसर पर खण्डूडी की पुत्री विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण मौजूद रहीं।

मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खण्डूडी को शॉल ओढ़ाकर और भारतीय सेना का स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। राज्यपाल ने कहा की कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष पर जनरल से भेंट करना उनका सौभाग्य है। इस दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खण्डूडी के बीच भारतीय सेना और प्रदेश के विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा वार्ता हुई।

नेताजी संघर्ष समिति ने कारगिल शहीदों को याद किया

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने कारगिल के शहीदों को याद कर उनको नमन किया।

आज यहां सन 1999 में कारगिल युद्ध में शहीद हुए शहीदों को नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने कांवली रोड स्थित कार्यालय में याद किया। इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि कारगिल युद्ध जीतकर भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। हम देशवासी सदैव उन सैनिकों के ऋणी रहेंगे जिन्होंने कारगिल पर ऐतिहासिक विजय श्री दिलाई। कारगिल में शहीद हुए सैनिकों को याद करने वालों में समिति के प्रभात डंडरियाल,आरिफ वारसी, अरुण खरबंदा, प्रदीप कुकरेती, सुशील विरमानी सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

98 पेटी शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने 98 पेटी शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने एक छोटे हाथी वाहन पर शक होने पर उक्त वाहन को लेन नंम्बर 16 , पशु हॉस्पिटल, खैरी-खुर्द के पास रूकवाया गया है, जिसमें शराब भरी पड़ी थी और श्यामपुर-ऋषिकेश की ओर जा रहा था। चीता पुलिस द्वारा इसकी सूचना अन्य पुलिस अधिकारियों को दी गयी अन्य पुलिस कर्मचारी अपने निजी वाहनों से नेपाली फार्म से पशु हॉस्पिटल खैरी-खुर्द पर पहुंचे वहा पर पीले-ग्रे कलर का गहरी हरी तिरपाल वाला छोटा हाथी वाहन चालक नाम पता प्रवीन कुमार पुत्र सोमनाथ निवासी बहेलिया बस्ती, निरंजनपुर शब्जी मण्डी, पटेलनगर देहरादून मिला। चालक प्रवीन से वाहन में परिवहन की जा रही शराब के कागजात तलब किये गये तो चालक द्वारा कागजात दिखाने में टाल-मटोल करने लगा जब सख्ती से पूछताछ की गयी तो चालक द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा उक्त माल शराब एफएल-2 गोदाम आईटीपार्क देहरादून से रायवाला शॉप पर लाना था, परन्तु रायवाला शॉप पर माल की खपत न होने के कारण यह माल वह ऋषिकेश श्यामपुर में धनपाल के यहां पर ले जा रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

सरकार पूर्व सैनिकों व शहीदों के आश्रितों के कल्याण के.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

सैनिक शहीद हुए थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में 36 सैनिक विश्राम गृह संचालित हैं तथा सैनिक विश्राम गृह टनकपुर को अत्याधुनिक बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में विधायक खजानदास, श्रीमती सविता कपूर, मेयर सुनील उनियाल गामा, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, अनिल गोयल, जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका, एस.एस.पी दलीप सिंह कुंवर, निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर अमृत लाल, पूर्व सैन्य अधिकारी मेजर जनरल शम्मी सभरवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने डिलीवरी बॉयज के साथ मीटिंग कर उनका सत्यापन किया

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने जेमेटो कम्पनी के डिलीवरी बॉयज के साथ मीटिंग कर उनका सत्यापन कर हिदायत दी कि उनकी आड में कोई अपराध करता है तो इसकी सूचना पुलिस को दें।

पुलिस उपमहानिरीक्षक /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद देहरादून द्वारा जनपद देहरादून के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को आदेशित किया गया था कि जनपद में विभिन्न कंपनियों के डिलीवरी बॉयज कलेक्शन एजेंट एवं रिकवरी एजेंट अपने कार्य के बहाने रेकी करते हैं और रैकी करने के उपरांत लूट, डकैती, चोरी, नकबजनी, वाहन चोरी आदि गंभीर आपराधिक घटनाएं कर सकते हैं इसलिए सभी डिलीवरी बॉयज कलेक्शन एजेंट की गहनता से निगरानी कर अभियान चलाकर सत्यापन किया जाए। एसएसपी के आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशानुसार एवं क्षेत्राधिकारी सदर के

निकट एवं कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष क्लेमेंट टाउन द्वारा थाना क्षेत्र में घूमने वाले जोमेटो कंपनी के टीम लीडर अवध ेश चौधरी एवं रुजीत तोमर के साथ जोमैटो कंपनी के लगभग 40 डिलीवरी बॉयज के साथ थाना क्लेमेंट टाउन में मीटिंग कर आवश्यक दिशानिर्देश तथा सत्यापन कराने हेतु निर्देशित किया गया। सभी डिलीवरी बॉयज का सत्यापन किया गया तथा एसएसपी द्वारा जारी किए गए आवश्यक दिशा निर्देश के बारे में जानकारी दी गई।

सभी डिलीवरी बॉयज को हिदायत दी गई कि जिनके द्वारा अपने गृह जनपद के पुलिस थाने से पुलिस सत्यापन रिपोर्ट बनाकर जमा नहीं की गई है वह तत्काल एक सप्ताह के अंदर संबंधित थाने से पुलिस रिपोर्ट बनाकर जमा करा देंगे तथा सभी को थाने के सभी अधि कारी एवं कर्मचारी गणों के नंबर भी उपलब्ध कराए गए कि यदि आप की आड़ में कोई व्यक्ति कोई अवैध गतिविधि करता है तो उसकी सूचना भी तत्काल थाने को उपलब्ध कराएंगे।

नाले में बहे युवक का शव तलाशने में विधायक व पार्षद भी सक्रिय

संवाददाता

देहरादून। नाले में बहे युवक के शव को तलाशने के लिए पुलिस के साथ क्षेत्रीय विधायक व महिला पार्षद भी सक्रिय दिखायी दिये।

आज यहां रायपुर विधान सभा क्षेत्र वार्ड संख्या 61 दशमेश विहार विहार निवासी रोहित गोयल उर्फ बंटी का शव आज दिन तक भी नहीं मिल पाया स एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी हुई हैं स क्षेत्रीय विधायक उमेश शर्मा काऊ पुलिस, तलाशी अभियान दल एवं क्षेत्रीय पार्षद नीतू बाल्मिकी से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। आज भी संभावित स्थानों पर तलाश की गई। रोहित गोयल गत दिवस अपनी मां से मिलने के लिए गया था तथा वहीं नाला पार करते समय पैर फिसलने से नाले में तेज बहाव में बह गया था।

जिला पंचायत सदस्य 3 अगस्त को सदन में करेंगे धरना-प्रदर्शन

संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण वह तीन अगस्त को सदन में धरना प्रदर्शन करेंगे तथा इसके लिए अन्य सदस्यों को भी तैयार किया जा रहा है।

आज यहां जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने तीन वर्षों से लंबित मामलों पर जांच तथा ठोस कार्यवाही होने पर 3 अगस्त को जिला पंचायत की बैठक में धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। उन्होंने जनपद के 6 विभागों पर निशाना साधते हुए इनके कार्यप्रणाली पर सवाल भी उठाए। जिलाधिकारी को इस आशय का पत्र ईमेल के द्वारा प्रेषित किया। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि सदस्य चुने जाने के बाद 3 वर्षों के भीतर बैठकों में लगातार एक समान प्रवृत्ति के मुद्दों को उठाने के बाद भी उन पर कोई जांच नहीं हो रही है और ना ही ठोस अंतरिम कार्यवाही। उसके बाद भी जिला पंचायत बोर्ड अपने सामने सब कुछ देख रहा है, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया जाता। उन्होंने कहा कि प्रभागीय वनाधिकारी, अधीक्षण अभियंता उत्तराखंड जल निगम, मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला पर्यटन अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला खाद्य एवं पूर्ति विभाग से संबंधित मामलों को लेकर इस बार वे प्रात: 10 बजे से बैठक संपन्न होने तक सदन के भीतर धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी को इसकी सूचना दे दी गई है। उन्होंने कहा कि इन लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ इनकी सर्विस पंजिका में प्रतिकूल प्रविष्टि लिखे जाने के लिए मुख्य सचिव को पत्र भेजे जाने का प्रस्ताव भी सदन पारित किया गया है, उसके बाद भी इनके कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। उन्होंने कहा कि सदन के भीतर अन्य सदस्यों से भी धरना प्रदर्शन के लिए सहयोग मांगा जा रहा है।

कांग्रेस ने कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

संवाददाता

देहरादून। कारगिल विजय दिवस पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा सहित अन्यों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने कारगिल विजय दिवस के असवर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ चीड़बाग शहीद स्थल पहुॅचकर शहीदों को भावभीनी श्रद्वासुमन अर्पित किये। इसके उपरान्त प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में भी शहीदों को श्रद्वांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उन्होंने कारगिल युध्द्व में शहीद हुए देश के सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि लगातार 60 दिनों से अधिक दिन तक चले इस युद्व में भारतीय सैनिकों ने अभूतपूर्व वीरता का परिचय देकर देश के मस्तक को ऊॅचा करने का काम किया, लेकिन सरकार की रणनीतिक

विफलता व सूचना तंत्र की सूचना को गंभीरता से नही लिया गया। अगर सरकार ने सूचना तंत्र की सूचना को गंभीरता से लिया होता तो पाकिस्तानी सैनिकों का ऊॅची चोटियों पर बैठने का मौका ना मिलता। उन्होंने कहा कि सरकार की उदासीनता व रणनीतिक विफलता के कारण बडी मात्रा में हमारे जावांज सैनिकों को शहादत देनी पड़ी और सैनिकों के परिजनों व बच्चों को अपार कष्ट सहना पड़ा है। जिसके लिए तत्कालीन सरकार उत्तरदायी है। माहरा ने कहा कि एक तरफ हमारे जावांज सैनिकों ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश की रक्षा की तब सरकार ने सैनिकों को सम्मान देने के लिए कई बड़ी-बडी घोषणायें की लेकिन शहीदों के परिजनों को आज तक उनका पूरा लाभ नही मिला है। उन्होंने कहा कि ऐसा ही हाल बागेश्वर जनपद के शहीद राम सिंह बोरा के गांव में सरकार ने इण्टर कालेज, अस्पताल, और मूलभूत सुविध ाये देने की घोषणा की थी जो आजतक पूरी नही हो पाई हैं।

एक नजर

मुस्लिम बंधुओं को सब हकीकत पता है, इसलिए जांच से घबरा रहेः शंकराचार्य

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के मामले पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाने के बाद ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज का बयान सामने आया है। शंकराचार्य ने कहा है कि मुस्लिम बंधुओं को सब हकीकत पता है इसलिए घबराए हुए हैं। आखिर ज्ञानवापी की जांच होने देने में क्या हर्ज है। शंकराचार्य ने सवाल किया कि जांच को रोकने के लिए इतना बड़ा प्रयास क्यों किया जा रहा है? शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि इसको देखकर यही लगता है कि चोर की दाढ़ी में तिनका है इसलिए एएसआई यानी कि आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की जांच को रोका जा रहा है। ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि जांच होने देने में आखिर हर्जा क्या है, जांच को क्यों रोका जा रहा है। आखिर जांच तो होनी है, अगर जांच मंदिर की होती तो एक पवित्रता का सवाल उठता है, लेकिन मस्जिद में इस तरह की कोई समस्या नहीं है। इससे साफ है कि ज्ञानवापी में हमारे देवी देवताओं के पद चिन्ह है इसलिए मुस्लिम पक्ष उसकी जांच नहीं होने देना चाहता। स्वामी ने कहा कि अगर सब कुछ सही है तो मुस्लिम पक्ष को एएसआई के सर्वे का स्वागत करना चाहिए। टीम को अंदर ले जाकर हर कोने की जांच करनी चाहिए जिससे अंदर की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जांच से ही तो पता चलेगा कि आखिर ज्ञानवापी में मस्जिद है या फिर भगवान के पद चिन्ह।

मशहूर पंजाबी लोक गायक सुरिंदर शिंदा का निधन

मुंबई। मशहूर पंजाबी लोक गायक सुरिंदर शिंदा अब इस दुनिया में नहीं रहे। दिग्गज सिंगर का आज सुबह निधन हो गया। वह पिछले लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने डी.एम.सी.अस्पताल में सुबह 7.30 बजे जिंदगी की आखिरी सांस ली। बता दें, सुरिंदर पिछले 20 दिनों से अस्पताल में भर्ती थी, जहां उनका लगातार इलाज चल रहा था। तबीयत में सुधार नहीं होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर भी शिफ्ट किया था, मगर सिंगर की जान न बच सकी। इससे पहले उनके मौत की अफवाह फैली थी पर बेटे ने फेसबुक पर लाइव होकर इन अफवाहों का खंडन किया था। सुरिंदर शिंदा के गानों की बात करें तो उन्होंने श्जट जियोना मोड़श, श्पुत्त जट्टन देश, श्ट्रक बिलियाश, श्बलबीरो भाभीश और श्काहर सिंह दी मौतश जैसे सुपरहिट पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री को दिए थे, जिन्हें लोगों द्वारा खूब पसंद किया गया था।

राजीव कपूर के 10.6 करोड़ रुपए का फ्लैट उनकी बहन रीमा जैन को मिलेगा!

मुंबई। हिंदी सिनेमा के दिग्गज दिवंगत एक्टर राजीव कपूर को उनकी फिल्म श्राम तेरी गंगा मैलीश में उनकी मुख्य भूमिका के लिए जाना जाता था। इसके साथ ही वह एक फिल्म निर्माता और फिल्म निर्देशक भी थे। 9 फरवरी 2021 को राजीव कपूर ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था, जिससे पूरे कपूर परिवार में एक खालीपन आ गया। तब से कपूर फैमिली ने उनकी यादों के साथ-साथ उनकी प्रॉपर्टी को भी अच्छे से संभाला हुआ है। अब खबर आई है कि राजीव कपूर का एक फ्लैट, जिसकी कीमत 10.6 करोड़ रुपए आंकी गई है, वह उनकी बहन रीमा जैन को मिलेगा। दिवंगत फिल्ममेकर राज कपूर के सबसे छोटे बेटे राजीव कपूर के पास मुंबई में श्गोदरेज आरकेएसश में तीन पार्किंग स्लॉट के साथ 2,379 वर्ग फुट का अपार्टमेंट था। श्द फ्री प्रेस जर्नलश की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, अपार्टमेंट की मार्केट वैल्यू लगभग 10.6 करोड़ रुपए है। अभिनेता ने दिसंबर 2020 में 2,018 वर्ग फुट के कार्पेट एरिया के साथ अपार्टमेंट खरीदा था, जिसे बुक करते समय एक निश्चित राशि का भुगतान करने के बावजूद कुछ शेष राशि का भुगतान किया जाना बाकी था।फरवरी 2021 में महज 58 साल की उम्र में निधन होने से पहले राजीव को कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उनकी मृत्यु के बाद करीना और करिश्मा कपूर के पिता रणधीर कपूर व उनकी बहन रीमा जैन, राजीव कपूर की संपत्ति के एकमात्र उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि थे। रणधीर और रीमा के पास ही राजीव की संपत्ति का बराबर हिस्सा है और अब कई रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि रणधीर ने अपना हिस्सा भी अपनी बहन को देने का फैसला किया है।

राज्य में 28 अगस्त तक जारी रहेगा मानसूनी कहर

टिहरी में कई मकानों पर गिरा मलवा, मवेशी दबे

विशेष संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून सहित पूरे उत्तराखंड में आफत की बारिश का दौर जारी है। राज्य के सभी चार धाम मार्ग जगह-जगह भूस्खलन व भू-धसावं के कारण बंद है जहां हजारों यात्री फंसे हुए हैं। वही बीती रात टिहरी में भारी बारिश से हुए भूस्खलन की चपेट में चार-पांच घरों के आने से स्थानीय लोग भयभीत है हालांकि यहां किसी जनहानि की बात सामने नहीं है कुछ मवेशियों के दबे होने की खबर है। बचाव राहत टीम मौके पर भेजी गई है राज्य की 297 सड़के बंद होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग द्वारा अब राज्य में 28 जुलाई तक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी दून से लेकर उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग तथा चमोली तक बीती रात से झमाझम बारिश हो रही है। वही पौड़ी, टिहरी और बागेश्वर

में भी भारी बारिश होने की खबरें हैं तथा नैनीताल में भी मौसम का मिजाज फिर बदल चुका है और बारिश के कारण लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं।

टिहरी से आ रही खबरों के मुताबिक यहां बीती रात से भारी बारिश हो रही है आज सुबह घनसाली और कोटा गांव में हुए भारी भूस्खलन की खबरें हैं। पहाड़ से आए मलबे के कारण 5-6 घरों को भारी खतरा पैदा हो गया है मलबे में किसी तरह की जनहानि की बात सामने नहीं आई है जबकि मलबे में 4-6 मवेशियों के दबे होने की संभावना है बचाव व राहत के लिए एसडीआरएफ की टीम को मौके पर भेजा गया है तथा समाचार लिखे जाने तक यहां रेस्क्यू का काम जारी था। उधर दो-तीन दिन पहले हुए भूस्खलन के कारण बंद हुए बदरीनाथ हाईवे को अभी तक नहीं खोला जा सका है वहीं आज जोगधारा में भारी भूस्खलन की चपेट में आई जेसीबी के क्षतिग्रस्त होने की खबर है हालांकि इस दुर्घटना में ड्राइवर बाल-बाल बच गया। वही गंगोत्री राजमार्ग मलबा आने के कारण बंद है तथा यमुनोत्री हाईवे पर अभी डाबरकोट में मलवा आना जारी है जिसके कारण मार्ग बंद है। उत्तरकाशी के पुरोला में 4 दिन पहले भारी बारिश के कारण हुई तबाही के कारण अभी भी कई भवनों पर संकट मंडरा रहा है। पौड़ी में आज 4 घंटे हुई बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित होने की खबरें हैं वही बागेश्वर में भारी बारिश के कारण नदियों का बढ़ता जलस्तर लोगों को डरा रहा है प्रशासन मुनादी कर नदी किनारे बसे लोगों के घर खाली करा रहा है।

भर्ती घोटाले में फरार चल रहे आरोपी के घर की पुलिस ने की कुर्की

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भर्ती घोटाले में लगातार फरार चल रहे एक आरोपी के घर की पुलिस ने आज कुर्की कर दी है। हालांकि पुलिस द्वारा पूर्व में ही आरोपी के घर पर आत्मसमर्पण न करने पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया गया था।

उत्तराखंड में भर्ती घोटालों में फरार आरोपियों द्वारा लगातार न्यायालय से जारी वारंटों की अवहेलना की जा रही है। जिनके घर की कुर्की किये जाने के

मामले में अब पुलिस कार्यवाही में जुटी हुई है। प्रतियोगी परीक्षा जैसे संवेदनशील मामलों में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले आरोपियों के खिलाफ शुरुआत से ही हरिद्वार पुलिस द्वारा सख्त रूख अपनाया जा रहा है। जिसमें 3 दर्जन से अधिक आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है एवं इनकी गलत तरीके से कमाई गई लगभग एक करोड़ की अवैध संपत्तियों को भी सील किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते माह कनखल थाना पुलिस द्वारा आरोपियों को आत्मसमर्पण न करने पर कुर्की की चेतावनी देते हुए उनके घर ढोल नगाड़ों के साथ मुनादी की गई थी एवं न्यालालय के आदेश के क्रम में आरोपियों के घर पर नोटिस चस्पा किए गए थे। जिससे डरकर एक आरोपी भूषण पुत्र बृजपाल ने सरेंडर कर दिया था लेकिन अनिल कुमार पुत्र ओमप्रकाश निवासी मांडूवाला थाना फतेहपुर अभी भी लगातार फरार था। जिसके घर पर पुलिस द्वारा आज कुर्की कर दी गयी है।

बिमारी से परेशान व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता

देहरादून। बिमारी से परेशान व्यक्ति ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुनील क्षेत्री ग्राम प्रधान गंगोल पंडितवाड़ी देहरादून द्वारा सूचना दी गई कि ग्राम गंगोल पंडितवाड़ी में गोरखा बगड़ में रुस्तम थापा पुत्र स्वर्गीय एक बहादुर थापा निवासी गोरखा बगड़ ग्राम गंगोल पंडितवाड़ी देहरादून उम्र लगभग 40 वर्ष जो कि गले के कैंसर की बीमारी से पीड़ित था ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। इस सूचना पर चौकी प्रभारी सर्किट हाउस मौके पर पहुंचे तो रूस्तम थापा उपरोक्त काले रंग की विद्युत केबल के सहारे अपने घर के रास्ते के पास पेड़ पर लटका हुआ था, जिसको परिवार जन व स्थानीय व्यक्तियों की सहायता से पेड़ से उतार कर 108 एम्बुलेंस के माध्यम से कोरोनेशन हास्पिटल देहरादून भिजवाया गया। मौके पर परिजनों से पूछताछ पर रूस्तम थापा उपरोक्त के पिछले 6-7 माह से गले के कैंसर की बीमारी से पीड़ित होने व बीमारी के कारण फॉसी लगाने की बात प्रकाश में आयी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रक की चपेट में आकर कार का टायर बदल रहे युवक की मौत

देहरादून (सं)। पंचर कार का टायर बदल रहे युवक की ट्रक की चपेट में आकर मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बडोवाला निवासी सुनील कुमार अपनी कार से हरिद्वार की तरफ जा रहा था जब वह छिददरवाला के पास पहुंचा तो उसकी कार का टायर पंचर हो गया। सुनील कुमार अपनी कार का टायर बदल रहा था तभी एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी जिससे सुनील कुमार की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि उसका साथी आशीष गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।